Vol. Issue: 3
Issue Date: 6th JULY 2015
For internal circulation only.

Newsletter

Save Yourself

Crazygreen's Umeed

Together we can !

Editorial Column

Every three month with crazygreen is difficult to manage in just one edition of newsletter. Every time we experience something which is beyond imaginations. Every volunteer participates in every activity with full dedication that it will become motivation for others in society. Even if it is a major park survey of around 150 parks or fund raiser activity for Nepal tragedy young volunteers of crazygreen has a very important role. It's the hard work and dedication of volunteers and teachers that more than 30 kids have got admission in mainstream school. Crazygreen also organize an internship program for youth every six month to make them aware about society. It is my appeal to everyone to please be more responsible towards society.

Anurag Seth

पार्क सर्वेक्षण...सूरत बदलेगी

अगर पेड़ भी चलते होते कितने मजे हमारे होते ।
बांध तने में उनके रस्सी , चाहे जहाँ उनको ले जाते ।
धूप सताती अगर कहीं तो, झट से उनके नीचे आ जाते ।।।

क्रेज़ीग्रीन की टीम द्वारा पिछले दिनों सहारनपुर के लगभग 150 पार्को का सर्वे किया गया । इस सर्वे में पार्को की चारदीवारी, लाइट, बैंच, वॉकिंग प्लाजा ,झूले ,पानी एवम् पेड़ों की आवश्यकता का एक विस्तृत डाटा तैयार किया गया। हमें सर्वे के मध्य ये जानकर हैरानी हुई कि पार्क के लिए छोड़ी गयी जमीन को मंदिरो, धर्मशाला, बारातघर और पार्किंग के लिए पक्का कर दिया गया । इस लिए कुछ जगह तो हम पार्क के बीच में खड़े होकर ही पार्क ढूंढ रहे थे । आवासीय क्षेत्रों में पार्क के लिए जगह इसलिए छोड़ी जाती है कि वर्षा का पानी जमीन में जा सके एवम् उसमे लगे पेड़ कॉर्बन डाईऑक्साइड को सोख सके । पर जब वो जगह भी हम पक्की कर देंगे तो न तो पेड़ ही लग पाएंगे और न ही पानी नीचे जा पायेगा जिससे जलस्तर घटता जायेगा और पेयजल की समस्या उत्पन्न हो जायेगी । हमारी आने वाली पीढ़ी को हम कैसा वातावरण देकर जायेंगे इसकी कल्पना हम खुद कर सकते है ।

क्रेजीग्रीन का इस वर्ष का लक्ष्य सभी पार्को में आवश्यक्तानुसार वृहद् वृक्षारोपण करना है । क्रेजीग्रीन विभिन्न संस्थाओ से यह अपील करना चाहता है कि शहर का कोई भी पार्क गोद लेकर उनको मॉर्डन पार्क बनाये जिनमे झूले, पानी, लाइट, बेंच, वाकिंग–प्लाजा की सुविधा हो । वृक्षारोपण का कार्य जुलाई माह से शुरु किया जा चुका है। आप सभी इस कार्य में श्रमदान द्वारा या पेड़ दान कर सहयोग कर सकते हैं । उपरोक्त कविता हमने बचपन में पढ़ी थी पर उसकी शीतलता का आभास आज कर पाते है । आपके सहयोग और विश्वास के साथ क्रेजीग्रीन आगे भी पर्यावरण , स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत रहेगा ।।

प्रसून गुप्ता, क्रेज़ीग्रीन

What People Talk . . .

Dr. Seema Agarwal, gynecologist, by profession and a dynamic social personality. She is one of the members of Team 30 for Udaan Charitable Dispensary shared her experience:

Education is must

She gets to know about Udaan from a Antarman. She feel it's a wonderful work been done by Crazygreen volunteers. She said that education is a birth right of every child and it's a tool to change the society. Udaan is doing a great job in this regard.

A doctor's opinion

Rag picking is no shame. These kids are doing the work which everyone should get inspiration from. Recycling is important and we should take care of it to save the environment. The only thing to be taken care of is that these kids should take bath after rag picking.

She concluded by saying *"samaj ke liye kuch kar ke dekho, acha lagta hai."*

"It is Impossible to put into words the strength ajay sir has put to establish Udaan."
Pallavi Juneja, Intern Udaan

"Answer to people's curiosity Udaan - tales = Happiness"
Srishti Jain, Volunteer Udaan

''एकदम बदलाव दिखना मुश्किल है। लेकिन मिलकर काम करेगें तो दिखेगा ज़रूर।''
प्रतीक मणि त्रिपाठी, क्रेज़ीग्रीन

''सोशल मीडिया हमारी संस्था के लिये एक वरदान साबित हुआ है।''
सुशांत सिंघल, बैंकर

परहित सरस धर्म नही भाई

तुलसीदास कृत इस पंक्ति का शाब्दिक अर्थ है दूसरों का हित करना, इसका साक्षात् रूप उड़ान संस्था में देखा और मन अभिभूत हुआ। इस संस्था के संस्थापक भाई अजय सिंघल और उनकी सहयोगी टीम नि:स्वार्थ कूड़ा बीनने वाले बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रहे हैं।

मेरे निजी विचार है कि ऐसे स्थान पर ऐसे लोगों के साथ उनके विकास के लिए काम करना कठिन ही नहीं, असम्भव था। परन्तु इस संस्था के सदस्यों ने अपने जूनून को हौंसलों के पंख दिए। आज खुले आकाश में इनकी उड़ान काफी आगे बढ़ गई है व प्ररेणा दे रही है।

'यूँ ही नहीं मिलती राही को मंज़िल
एक जुनून सा दिल में जगाना पड़ता है
ऐसे जुनूनी लोग अकेले एक कदम आगे बढ़ाते है
रैला पीछे अपने आप चला आता है।

उमेश भटेजा, अध्यापक, डीएवी स्कूल

"When we heal the Earth, We heal ourselves."

एक प्रयास– तीन दिन नेपाल के लिए

कौन कहता है आसमां में छेद नहीं होता। एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों।।

क्रेजीग्रीन द्वारा संचालित उड़ान में किये गये इन्टर्नशिप कार्यक्रम में जो कुछ सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सीखा था उसको नेपाल भूकम्प आपदा के समय सिद्ध कर दिया। भूकम्प की भयानक तस्वीरें और मृतको का बढ़ता आंकड़ा मन को आन्दोलित कर रहा था कि कुछ करने की आवश्यकता है। ऐसे में एक युवा टीम बनायी गयी जिसमें प्रमुखत: सृष्टि जैन, सार्थक धमीजा, आदित्य अरोड़ा और मैं यानी सुनील कुमार ने यह बीड़ा उठाया, इस पूरे कार्यक्रम में श्री प्रतीक मणि त्रिपाठी, अनुराग सेठ व अभिनव कन्नोजिया कदम–कदम पर हमारे साथ रहे। इसके बाद अनेकों सकारात्मक घटनायें होने लगी, जिसको आप सभी के साथ सांझा करना जरूरी है।

आज पहला दिन था, हम सभी ने योजना तो बना ली थी परन्तु भीतर ही भीतर सब डरे हुये थे फिर अजय सिंघल सर की एक बात याद आयी ''अरे जब कोई काम करना है तो सोचना क्या, सोचने लगोगे तो आगे बढ़ नहीं सकोगे!'' इन शब्दों ने जैसे हमारे भीतर ईंधन का काम किया और हम जोश से भर गये और लिंक रोड पर पैसे इक्टठा करने निकल पड़े परचून का छोटे दुकानदार हो या बड़े–बड़े शौरूम हमें सभी ने 10 से 500 रूपये तक दिये। हम सभी का दिल पसीज गया जब एक दुकान में काम करने वाले नेपाली लड़के ने अपनी सारी जेबें देखी और बीस रूपये निकाले, बोला आप लोग जब साथ दोगे तो हमारे नेपाल को कुछ नहीं होगा, अब हमारी जिम्मेदारी और भी बड़ी हो गयी थी क्योंकि इस घटना से यह अहसास हुआ कि नेपाल के जवान लड़के भारत में बरसों से काम कर रहे हैं।

दूसरे दिन हमारी टीम कम्पनी गार्डन जा पहुंची जहाँ कुछ लोग स्वंय ही हमारी टीम का हिस्सा बन गये, लोगों ने हमारे साथ फोटो खिंचवायी हमसे कुछ प्रश्न किये और फिर तो मानो दानपात्र में नोटों की बारिश होने लगी। शाम के समय साईं मन्दिर में रिक्शे वाले ने भी अपनी सारी रेजगारी दानपात्र में उड़ेल दी और कहा कि ''तुम बेबस लोगों के लिये मेहनत कर रहे हो, ऊपर वाला थारी जरूर सुनेगा''।

इस बात ने एक नयी ऊर्जा का संचार हम सभी में भर दिया और कार्यक्रम के अन्तिम दिन क्रेजीग्रीन की स्वंयसेवक श्रीमति रजनी सिंह गौर के कहने पर हम अफिसर्स कालोनी पहुंचे, वहां अधिकारीगणों ने इस पुनीत कार्य की सराहना की और दिल खोलकर दान दिया। विकास भवन से भी सहयोगी राशि इक्ठ्ठा की गई। दिलचस्प बात यह रही कि हमने जो लक्ष्य निर्धारित किया था वह मात्र 21,000/– रूपये था परन्तु हमने 61,000/– रूपये इक्ठ्ठा किये। यह रकम वास्तव में हमारे लिये किसी स्वप्न से कम नहीं थी। यह पैसा ''प्रधानमंत्री राहत कोष'' में जमा करा दिया गया है।

मैं आभारी हूँ श्री अजय सिंघल सर का जिन्होंने हमें सकारात्मकता का पाठ पढ़ाया जिससे हम ऐसा कर पाये। उन सभी दान–दाताओं को नमन जिन्होंने इस पुनीत यज्ञ में आहूति दी। मैं इस टीम के बारे में लिखते हुए गौरवान्तित महसूस कर रहा हूँ। क्रेजीग्रीन का हिस्सा होना हम सभी के लिये गर्व का विषय है।

सुनील कुमार ,क्रेजीग्रीन

इंटर्नशिप ..... एक मार्गदर्शन

युवा लोगों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरुक करने एवं वृहद स्तर पर सामाजिक कार्यों की समझ विकसित करने हेतु क्रेजीग्रीन द्वारा प्रत्येक छ: माह में इक्कीस दिवसीय इंटर्नशिप का आयोजन किया जाता है। पिछले वर्षों में लगभग सौ युवा इस इंटर्नशिप के माध्यम से जागरुक हो विभिन्न सामाजिक कार्यों में सहभागिता कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में युवा लोगों को इक्कीस दिन तक न सिर्फ उड़ान के कबाड़ बीनने वाले बच्चों की कक्षाओं में पढ़ाना होता है बल्कि उन्हें प्रत्येक दिन क्राफ्ट इत्यादि कक्षाओं के माध्यम से सृजनशीलता का विकास करना होता ह। प्रत्येक दिन एक घंटे का समय विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श के लिए होता है जिसमें युवा लोगों को पर्यावरण, जल, स्वास्थ्य ठोस कचरा निस्तारण, जैसे विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ लोगों से चर्चा की जाती है। मुस्कान ज्योति समिति के ठोस कचरा प्रबन्धन का कार्य उनके लिंक रोड स्थित सैन्टर पर जाकर दिखाया जाता है। संवेदनाओं को उभारने हेतु नेत्रहीन विद्यालय के बच्चों से मुलाकात करायी जाती है एवं हमारी धरोहरों को बचाने के लिए राजीव उपाध्याय जी द्वारा किये गए कार्यों एवं दो सौ से भी अधिक साल पुरानी ईसाई कब्रगाह का भ्रमण कराया जाता है। इस वर्ष इंटर्नशिप करने वाले युवा लोगों ने रविदास छात्रावास में वृक्षारोपण किया एवं मेक इन इण्डिया कार्यक्रम के तहत आई.टी.सी. में जाकर न सिर्फ सिग्रेट बनने की पूरी यात्रा देखी बल्कि फायदे एवं नुकसान पर विस्तार से चर्चा की।

श्री एस. के. उपाध्याय, श्री पी. के. शर्मा जी ने पर्यावरण, श्री अरिमर्दन सिंह गौर जी ने शिक्षा, श्री वरुण ने मोटीवेशन एवं अजय सिंघल ने उड़ान यात्रा, स्वास्थ्य एवं विभिन्न सामाजिक पहलुओं पर चर्चा की।

इस कार्यक्रम के माध्यम से क्रेजीग्रीन को विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हम देश एवं समाज की मदद करने हेतु बहुत से युवा लोगों को तैयार कर पायेगें।

अजय सिंघल, क्रेजीग्रीन

"Every child comes with the message that God is not yet discouraged of man."

Rabindranath Tagor

खुशनुमा सफ़र

डिस्ट्रिक्ट जूड़ों पुरस्कार लेते 'उड़ान' के छात्र

रामावतार ट्रस्ट से 'उड़ान' संस्था को सम्मानित

भारत विकास परिषद् ने 5 छात्रों की स्कूली फीस दी

छात्रों को साईकिल देते 'उड़ान' के सदस्य

'उड़ान चेरिटेबल डिस्पेन्सरी' का वार्षिकोत्सव

'उड़ान' संस्था द्वारा सिलाई प्रशिक्षण

Adopt a tree! Adopt a park!

Let's make a better tomorrow

Crazygreen has taken up a mission to work on re-establish and maintenance of all city parks. In this regard, volunteers of Crazygreen have done a survey of more than 150 Parks categorizing them into developed, underdeveloped and poor condition parks according to the number of trees, water source, street lights, bench installation, boundary wall etc. The condition of majority of parks is not good and need to be taken care of. To achieve this we have the consent of Nagar Nigam Saharanpur who has assured us their support. But this major effort would not be a success without the participation of every individual in the society. Crazygreen has always worked on the principal of "Together we can"; we would like you to contribute to the noble cause.

As an Individual, you can adopt a tree. This you can do by providing a tree guard for the tree you have adopted. Crazygreen will plant a tree anywhere according to your convenience.

As a Group, you can adopt a park. If you are a part of an organization/ institute/ Industry etc you can adopt maintenance of few parks which would include: Bench Installation, Water tap installation, walking track, Keep a Gardner for the respective parks etc.

Any contribution is welcomed! Every contribution is worth no matter if it is big or small.

This monsoon **CRAZYGREEN'S** Plant a tree

MEGA TREE PLANTATION DRIVE

Re-estabilshment and maintenance of all parks of Saharanpur

To contribute Contact

Individual Adopt a TREE

- AJAY SINGAL (9634200601)
- NITIN SHARMA (9897044516)
- PARTEEK M. TRIPATHI (8449000600)
- PRASOON GUPTA (8923598289)

Group Adopt a PARK

CRAZYGREEN
Environment, Health and Education

Crazygreen has been working in the field of environment, health and education since many years there is a lot to describe about the work done by crazygreen. The dream of integrating the underprivileged children in to the main stream of the society was given wings 5 year back in the form of Udaan which has now taken leap beyond our imagination. It is the joint efforts and active participation of our team which made it possible to initiate activities like Major Park Survey and Nepal Tragedy Relief Fund.

Any effort is a waste until it creates an impact. Here's a bird-eye view of the achievements so far focusing primarily on the recent activities (Last 3 months):

- Major Park Survey in city (Around 150 parks).
- Udaan charitable dispensary completed 1 year (Average of 1000 patients get benefit every month).
- Bharat Vikas Parisha, Saharanpur honoured Udaan School and adopted tuition fees of 5 kids.
- Nepal Tragedy Relief Fund (Donated Rs. 61000 to PM relief fund).
- Cycles distributed to school going kids of Udaan (28 cycles).
- Udaan School got Ramavtar Gupta Award for excellence in the field of education.
- Udaan kids got 5 medals in district Judo Championship.
- Crazygreen has organised an internship program for youth (16 interns).
- Stitching classes for ladies and young girls at Udaan.
- International yoga day celebration by Udaan kids and volunteers.
- Many tree plantation drives- Green Birthday.

Divya Bajaj, Udaan

एक कदम उड़ान की ओर .....

हम सभी में एक कोमल हृदय छुपा होता है। जो चाहता है हम समाज के लिए कुछ करें पर कहाँ से शुरू करें ये समझ नहीं आता और हम सोचते ही रह जाते हैं। क्योंकि शुरू करना सोच को हकीकत में लाना ही कठिन होता है।

पर जो सच में कुछ करके अपने जीवन को दिशा देना चाहते है उनको एक बार उड़ान अवश्य आना चाहिये और एक साधारण बच्चे की तरह इन कूड़ा बीनने वाले मासूम बच्चों को देखना चाहिये तो अवश्य ही आप प्रेरित होंगे और आपका एक नया दृष्टिकोण विकसित होगा।

अपने आस–पास बच्चों को कूड़ा बीनते हुए देखकर ना जाने कितनी बार आपको दुःख अनुभव हुआ होगा पर जब आप उन्हीं बच्चों को पढ़ता हुआ देखेंगे तो आपको आत्मिक खुशी और सन्तुष्टि प्राप्त होगी जो कि अद्भुत होगी।

आज के समय में किसी ना किसी रूप में सभी अपनी कुछ सहायता, योगदान समाज में देते हैं पर किसी भी सहायता से एक भविष्य उज्जवल नहीं हो सकता, वो सिर्फ शिक्षा और ज्ञान से ही सम्भव है शिक्षा की नींव से ही एक अच्छे समाज का निर्माण किया जा सकता है।

इसलिये जरूरत है तो बस सोच से बाहर निकल कुछ ठोस कदम उठाने की, कुछ करने की, तो आईये बढ़ाये एक कदम उड़ान (शिक्षा की बागवानी) की ओर।

"Only education will bring you to the opportunity to make a real difference".

कविता, उड़ान

Contact:
उड़ान बाल एवं प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र
UDAAN CHARITABLE DISPENSARY
Link Road, Saharanpur - 247001 (U.P.)
Mobile: +91-9634200601, +91-8449000600
Website: www.panchtatva.in Blog: Antarmann
Email: udaangivingwings@gmail.com, info@panchtatva.in
find us on
Registered Office (Crazygreen): 64, Bhagwati Colony, Behat Road, Saharanpur